तापमान

भोपाल	19.0°	35.0°
इंदौर	19.0°	36.0°
जबलपुर	21.0°	35.0°
ग्वालियर	22.0°	36.0°
सागर	22.0°	35.0°

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 312, पृष्ठ 12)
आश्विन, स्नानदान अमावस संवत् 2083
शनिवार, 10 अक्टूबर 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naidunialive.com

भोपाल संस्करण

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित


राजधानी... जनसमस्याओं के निराकरण में लापरवाही पर...


खेल... रूस से 0-4 की हार के बावजूद युवा भारतीय टीम के ...


व्यापार... एपल लाएगा पहला टचस्क्रीन मैकबुक, ओएलईडी...


देश-विदेश... भारत किसी का गुलाम नहीं, देश की नीतियां ...

रंगभेद के खिलाफ संघर्ष करने पर भारतवंशी नवनीतम पिल्लै को मिला 'शांति का नोबेल'



ओस्लो, एजेंसीः नॉर्वे की नोबेल समिति ने वर्ष 2026 का शांति पुरस्कार भारतवंशी नवनीतम नवी पिल्लै को देने की घोषणा की है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मीं पिल्लै को युद्ध अपराध और नरसंहार के दोषियों को सजा दिलाने तथा अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया है। नोबेल समिति ने कहा कि दुनिया में युद्ध और संघर्ष बढ़ रहे हैं। ऐसे में शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन और उसे मजबूत करना जरूरी है। पिल्लै ने ट्रंप पर तंज कसते हुए कहा कि अगर साथी थोड़ी और तालियां बजाएंगे, तो शायद वह पुरस्कार ट्रंप के साथ बांट लें।

दादा बंधुआ मजदूर के रूप में अफ्रीका गए थे

23 सितंबर 1941 को डरबन में जन्मीं पिल्लै का परिवार भारतीय तमिल मूल का है। उनके दादा 1890 के दशक में बंधुआ मजदूर के रूप में भारत से दक्षिण अफ्रीका गए थे। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद पिल्लै ने कानून की पढ़ाई पूरी की और 1967 में अपनी विधि फर्म शुरू की। रंगभेद के दौर में वह नेटाल प्रांत में अपनी विधि फर्म खोलने वाली पहली महिला बनीं। वर्ष 1973 में उन्होंने रॉबेन आइलैंड जेल में बंद राजनीतिक कैदियों को वकीलों की सहायता दिलाने के लिए याचिका दायर की। इन कैदियों में नेल्सन मंडेला भी शामिल थे। 1995 में मंडेला के राष्ट्रपति बनने के बाद पिल्लै दक्षिण अफ्रीका के उच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त हुईं। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली गैर-श्वेत महिला थीं।

मक्खी मारने हथौड़ा न चलाएँः सीजेआई

सीजेपी का प्रदर्शन आज

दिल्ली मेट्रो बंद करने सरकार का आदेश सुप्रीम कोर्ट में खारिज



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के शनिवार को होने वाले प्रदर्शन से पहले सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को नसीहत दी। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि कुछ गतिविधियों को रोकना जरूरी हो सकता है, लेकिन इसके लिए उतनी ही कार्रवाई की जानी चाहिए, जितनी आवश्यक हो। सीजेआई ने कहा कि मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इस टिप्पणी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली मेट्रो के 57 स्टेशनों को बंद करने के आदेश को खारिज कर दिया। इन स्टेशनों को शुक्रवार रात 9 बजे से बंद किया जाना था। प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली की सीमाओं और जंतर-मंतर पर पुलिस बल तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के बीच रेलवे ने भी ट्रेनों के संचालन को लेकर फैसला लिया है। नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन आने वाली सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें शनिवार को रद्द रहेंगी। रेलवे ने इन ट्रेनों को उनके शुरुआती स्टेशनों से ही रद्द करने का निर्णय लिया है।

राष्ट्रपति से मिले विपक्षी सांसद, ज्ञानेश के इस्तीफे की माँग



नई दिल्लीः मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे विपक्षी गठबंधन के 10 सांसद शुक्रवार रात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले। सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद के केंद्रीय कक्ष में करीब 30 मिनट तक बैठक की। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहली बार ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए जाते समय कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की सुरक्षाकर्मियों से बहस हुई। इसके बाद वह अन्य सांसदों के साथ विजय चौक पर सड़क पर बैठ गईं। विपक्षी सांसद पिछले चार दिनों में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ तीन मार्च निकाल चुके हैं। छह अक्टूबर को 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' निकाला था। सात को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन, आठ अक्टूबर को विपक्षी सांसदों ने कनॉट प्लेस से राजघाट तक मार्च निकाला था। विपक्षी दल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका को लेकर लगातार विरोध जता रहे हैं। राष्ट्रपति से मुलाकात के जरिए विपक्षी सांसदों ने अपनी मांगें रखने की तैयारी की है।

पुलिस की अपील : बच्चों को समझाएँ, जंतर-मंतर नहीं जाएँ

दिल्ली में 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्र संगठनों के प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। नई दिल्ली क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू है। पुलिस लाउडस्पीकर से लोगों को प्रतिबंधों की जानकारी दे रही है। गश्त के दौरान पुलिसकर्मी अभिभावकों से अपील कर रहे हैं कि बच्चों को जंतर-मंतन नहीं जाने की समझाइश दें। नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी जा रही है।

मप्र में लागू नहीं होगा 27% ओबीसी आरक्षण, हाईकोर्ट में याचिका खारिज

- ओबीसी आरक्षण 14% रहेगा, रुके हुए 13%पद अनारक्षित वर्ग से भरने के निर्देश
- भर्ती एजेंसियों को तीन महीने में पूरी करनी होगी आवश्यक कार्रवाई

नईदुनिया राज्य ब्यूरो, जबलपुरः *मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने वाले वर्ष 2019 के संशोधन को असंवैधानिक ठहराते हुए रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में ओबीसी वर्ग को 14 प्रतिशत आरक्षण ही मिलेगा। महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने बताया कि अदालत ने दस्तावेजों और आंकड़ों के आधार पर फैसला सुनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामला ओबीसी आरक्षण देने का नहीं, बल्कि इसे 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने का था। अदालत ने सरकारी भर्तियों में रोके गए 13 प्रतिशत पदों को अनारक्षित वर्ग की चयन सूची से भरने का निर्देश दिया है। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन मंडल और अन्य भर्ती एजेंसियों को तीन महीने के भीतर आवश्यक कार्रवाई पूरी करनी होगी। महाधिवक्ता के अनुसार, अदालत को ऐसे विशेष हालात नहीं मिले, जिनके आधार पर आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा पार की जा सके। फैसले में इंद्रा साहनी और जयश्री लक्ष्मणराव पाटिल मामलों में सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का भी उल्लेख किया गया।*

फैसले का विधिक परीक्षण करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़े हाईकोर्ट के फैसले का विधिक परीक्षण कर आगे की कार्रवाई करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अदालत ने वर्ष 2019 से 2022 के बीच हुई नियुक्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। न्यायालय ने 13 प्रतिशत अतिरिक्त नियुक्तियों को सुरक्षित रखते हुए आगामी भर्ती में समायोजित करने का निर्देश दिया है। वहीं, वर्ष 2022 के बाद से फैसले की तारीख तक की भर्तियों में 13 प्रतिशत रोके गए पदों पर सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने को कहा है। मुख्यमंत्री ने तत्कालीन सरकार के अध्यादेश को त्रुटिपूर्ण बताते हुए कहा कि इसे जल्दबाजी में लागू किया गया था और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से सलाह नहीं ली गई थी।



'सेवा के रंग-राष्ट्र के संग' कार्यक्रम में बच्चों ने रंगोली से दिया विकसित भारत का संदेश

भारत नए दौर में प्रवेश कर चुका हैः डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत नए दौर में प्रवेश कर चुका है। मध्य प्रदेश भी तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री के जन्मोत्सव के अवसर पर पूरे एक माह तक सेवा संकल्प अभियान मनाया जा रहा है। इसी के तहत शुक्रवार को टीटी नगर स्टेडियम में 'सेवा के रंग-राष्ट्र के संग' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने आकर्षक रंगोलियों के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता और राष्ट्र के प्रति भावनाओं को प्रदर्शित किया। रंगोलियों में अयोध्या के श्रीराम मंदिर, प्रधानमंत्री मोदी और विकसित भारत के संकल्प को दर्शाया गया। बच्चों ने भारत के नक्शे के रूप में मानव रंगोली भी बनाई। मुख्यमंत्री ने रंगोलियों का अवलोकन किया और मानव रंगोली में शामिल बच्चों के बीच बैठकर उनसे संवाद किया। उन्होंने रंगीन गुब्बारे भी आसमान में छोड़े। कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। युवाओं ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। विद्यार्थियों में मुख्यमंत्री से मिलने और उनका अभिवादन करने को लेकर उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान में आयोजित एशियाई खेल 2026 की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

नंदीग्राम में भाजपा की रिकार्ड 1.22 लाख मतों से जीत

नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाताः पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी की पांच विधानसभा सीटों तथा असम की एक लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे शुक्रवार को घोषित किए गए। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। तमिलनाडु की दोनों सीटों पर टीवीके ने कब्जा किया, जबकि पुडुचेरी की एक विधानसभा सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने जीत हासिल की। असम की नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा आगे चल रही थी। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी हसीरानी रथ ने 1,22,753 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें कुल 1,64,427 वोट मिले।

कौशल प्रशिक्षण संस्थान आईआईटी और आईआईएम से कम नहीं: मोदी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित सात, लोक कल्याण मार्ग पर विश्व कौशल प्रतियोगिता, शंघाई 2026 में भाग लेने वाले भारतीय दल के सदस्यों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कौशल प्रशिक्षण संस्थानों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ये संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और भारतीय प्रबंधन संस्थानों से कम नहीं हैं।

वैश्विक तकनीक अपनाएँ

प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यावहारिक कौशल का महत्व अकादमिक डिग्री जितना ही है। तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के दौर में युवाओं को लगातार नए कौशल सीखने, अपनी मौजूदा क्षमताओं को उन्नत करने और उभरती तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकसित करें। भारत को कुशल मानव संसाधन का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए युवाओं, सरकार और प्रशिक्षण संस्थानों के बीच समन्वित प्रयासों पर जोर दिया। युवा अपने अनुभव और सुझाव साझा कर देश की कौशल प्रशिक्षण व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान दें।



हुनर की अनदेखी अमेरिका में एच-1बी वीजा धारकों में 71 प्रतिशत भारतीय...

एच-1बी वीजा पर काम करने वाले बंधुआ मजदूरः वेंस

वॉशिंगटन, एजेंसीः अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एच-1बी वीजा के माध्यम से अमेरिका में काम करने वाले विदेशी कर्मचारियों को 'बंधुआ मजदूर' बताया है। उनका यह बयान आठ आईटी कंपनियों को ग्रीन कार्ड से जुड़ी पीईआरएम प्रक्रिया से निलंबित किए जाने के बाद आया है। वेंस ने आरोप लगाया कि कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकालकर उनकी जगह कम वेतन पर विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त कर रही हैं।

भारत ने वेंस के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में प्रवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीय पेशेवर अमेरिकी अर्थव्यवस्था, नई



तकनीक, अनुसंधान और रोजगार बढ़ाने में अहम योगदान देते हैं। इससे दोनों देशों को लाभ होता है। अमेरिका में एच-1बी वीजा प्राप्त करने वालों में 71 प्रतिशत भारतीय हैं।

वेंस ने माइक्रोसॉफ्ट पर वीजा व्यवस्था का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों के बजाय अमेरिकी नागरिकों को नौकरी देनी चाहिए। उनके मुताबिक, पिछले एक वर्ष में माइक्रोसॉफ्ट ने छह हजार अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, जबकि इसी अवधि में कंपनी को 6,300 एच-1बी वीजा और करीब तीन हजार ग्रीन कार्ड का लाभ मिला। वेंस ने इस व्यवस्था को शर्मनाक बताते हुए इसे समाप्त करने की बात कही।

अमेरिकी सरकार ने ग्रीन कार्ड से जुड़ी पीईआरएम प्रक्रिया से आठ बड़ी आईटी कंपनियों को निलंबित किया है। इनमें भारत की इन्फोसिस, टाटा, विप्रो, एचसीएल और कॉग्निजेंट के साथ माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी और कैपजेमिनी शामिल हैं।